संपादक के नोट

मैं मेरे प्रभु और उद्धारकरता येशु मसीह के अतुलनीय नाम से आप सबका अभिवादन करती हूँ। मैं विश्वास करती हूँ आप सब येशु मसीह के लहू तले सुरक्षित हो।

मसीह में मेरे प्रिय भाइयों और बहनों, मेरी हृदय की अभिलाषा और प्रार्थना इस्राएल के परमेश्वर से यह है कि वें बच जाएँ। **रोमियों १०:१ – भाईयों, मेरी हार्दिक अभिलाषा और परमेश्वर से उनके लिए प्रार्थना है कि वे उद्धार पाएं।** प्रेरित पौलुस हम से यहाँ आमने–सामने उसके हृदय की इच्छा के बारे में बात करता है। किसी भी तरह से इस्राएली लोग बचने चाहिए। किसी भी तरह से वें भी येशु मसीह के झुँड़ में आएँ। किसी भी तरह से उनके हृदय प्रभु येशु को प्रेम और उत्साह से स्वीकारें।

पुरने नीयम में, संत दाऊद हमे एक दीन प्रार्थना का बिनती करता है, यरूशलेम की शांति के लिए प्रार्थना करने की। **भजन संहिता १२२:६ – यरूशलेम की शांति के लिए प्रार्थना करो, "तेरे प्रेमी कुशल से रहें।**

परमेश्वर के प्यारे बच्चों, दिन और वर्ष मिट चुके हैं और हम अंत के समय में हैं। आज भी यहुदी लोग इस्राएल में पिता परमेश्वर की आराधना करते हैं। वें विश्वास नहीं करते कि येशु परमेश्वर का पुत्र है। वें विश्वास करते हैं कि वह नबिओं में से एक है। वे उसे अपना उद्धारकरता नहीं मानते। पर येशु के बिना और कोई मार्ग नहीं हमारे पापों का क्षमा पाने के लिए, वें नहीं जानते कि हम पिता के पास आ सकते हैं केवल येशु मसीह के द्वारा, जो मार्ग, सत्य और अनंतकालिक जीवन है।

परमेश्वर ने उन्हें एक निज प्रजा जैसे चुना है। परमेश्वर के वाचा के अनुसार इस्राएल के साथ, उसने उन्हें एक सुंदर भूमि जिसमें दूध और मधु की धाराएं बहती हैं, दी है।

परमेश्वर ने उन्हें कई वाचाए दी है।

जब हम परमेश्वर के वचन पर ध्यान करते है, वह हमसे स्पष्ट रूप से कहता है, कि येशु फिर से इस्राएल को आने वाला है।

जब येशु के चेले जैतून पर्वत पर आए, उस दिन, येशु बादलों सहित स्वर्ग में उठा लिया गया था। जिस प्रकार येशु स्वर्ग में ले लिया गया, उसी प्रकार वह फिर एक बार आएगा, यह वाचा चेलों को उस दिन दिया गया था।

जब येशु फिर एक बार आएगा, उसके पाव जैतून के पर्वत को छूएंगे।

पढियें, पवित्र शास्त्र येशु के आने के विषय में क्या कहता है **ज़कर्याह १४:४–५,९ – उस दिन वह जैतून पर्वत पर जो पूर्व दिशा में यरूशलेम के सामने है, पैर धरेगा। तब जैतुन पर्वत बीचोंबीच पूर्व से पश्चिम तक फट जाएगा जिस से एक बहुत बड़ी खाई बन जाएगी। इस से आधा पर्वत उत्तर की ओर तथा आधा दक्षिण की ओर सरक जाएगा। तब तुम मेरे पर्वत की तराई से होकर भागोगे क्योंकि पर्वत की तराई आसेल तक पहुंचेगी, हाँ, तुम ठीक उसी प्रकार भागोगे जिस प्रकार यहुदा के राजा उज्जियाह के दिनों के भूकम्प के आगे भागे थे। तब यहोवा, मेरा परमेश्वर अपने समस्त जनों के साथ आएगा। यहोवा सम्पूर्ण पृथ्वी का राजा होगा। उस दिन यहोवा ही होगा तथा उसका ही नाम रहेगा।**

उस दिन इस्राएल की भूमि बहुत आनंदित होंगी। येशु अपने भक्तों सहित एक हज़ार वर्ष इस पृथ्वी पर राज करेगा।

जंगल और निर्जन–प्रदेश आनंदित होंगे, तथा अराबा मग्न होकर फूले–फलेगा। केसर के समान उसमें ढेरों कलियां निकलेंगी। वह आनंद के ऊँचे स्वर से हर्षित होगा और आनंद मनाएगा। उसको लेबनोन की महिमा और कर्मेल तथा शारोन का वैभव दिया जाएगा। वे यहोवा की महिमा और हमारे परमेश्वर के ऐश्वर्य को देखेंगे।

निर्बल हाथों को दृढ़ करो और थरथराते हुए घुटनों को स्थिर करो।

घबराए हुओं से कहो, "हियाव बान्धो डरो मत, देखो, तुम्हारा परमेश्वर पलटा लेने आएगा। परमेश्वर का प्रतिशोध आ पड़ेगा। वह तुम्हारा उद्धार करने आएगा।"

तब अन्धों कि आँखें खोली जाएंगी, तथा बहिरों के कान भी खोले जाएंगे।

लंगड़ा उस समय हिरन के समान चौकड़ियां भरेगा, तथा गूंगा अपनी जीभ से जयजयकार करेगा। क्योंकि जंगल में जल के सोते तथा अराबा में जल–धाराए फूट निकलेंगी।
सूखी भूमि ताल और प्यासी धरती जल का सोता बन जाएगी। जिस स्थान में सियार घूमे–फिरते हैं उसमें घास, नरकट और सरकण्डे होंगे।

वहां एक सड़क अर्थात राजमार्ग होगा और उसे "पवित्र मार्ग कहा जाएगा। अशुद्ध जन उस पर न चलने पाएगा; पर यह उन्ही के लिए होगा जो उस मार्ग पर चलते हैं, मूर्ख तो उस पर पैर भी न रखने पाएंगे।

न तो वहां सिंह होगा और न कोई हिंसक जन्तु उस पर चल पाएगा। ये सब वहां नहीं पाए जाएंगे, परन्तु जो छुड़ाए हुए हैं वे ही उस पर चलेंगे।

यहोवा के छुड़ाए हुए लौटकर जयजयकार करते हुए सिय्योन में आएंगे, उनका मुकुट अनंतकाल का

आनंद होगा वे हर्ष और आनंद पाएंगे तथा शोक और आहें भरना जाता रहेगा।

मग्न और आनंदित हो और जीवित परमेश्वर की आराधना करों। तैयारी करो और तैयार रहो उसके दूसरे आगमन के लिए। तब तक कि हम फिर मिलेंगे अगले महिने इन्ही पन्नों में।

परमेश्वर आपको आशिष दें।

– पास्टर सरोजा म.

येशु पर विश्वास रखो – केवल वही हमे विजय दे सकता है।

प्रकाशितवाक्य १:५ – और येशु मसीह कि ओर से जो विश्वासयोग्य साक्षी, मृतकों में से जी उठने वालों में पहिलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का शासक है, तुम्हें अनुग्रह और शांति मिलती रहे। जो हम से प्रेम रखता है और जिसने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया। हमारे आशिषित येशु मसीह का नाम यहाँ दिया गया है कि "मृतकों में से पहिलौठा" इसका अर्थ क्या है, हमारा परमेश्वर जीवित है और हमारे मध्य में आज भी है। वह क्रूस पर मरा, मृतकों में से जी उठा और हमारे बीच आज भी जीवित है। हमारा परमेश्वर जीवित है कल, आज और हमेशा। **इब्रानियों ७:२५ – अतः जो उसके द्वारा परमेश्वर के समीप आते हैं, वह उनका पूरा पूरा उद्धार करने में समर्थ है, क्योंकि वह उनके लिए निवेदन करने को सर्वदा जीवित है।** हम में से उन के लिए जिन्होने विश्वास किया कि हमारा परमेश्वर हमारे लिए मरा और मृतकों में से पहिलौठा है, वह हम से प्यार करने के लिए हमेशा तैयार है, हमे मज़बूत करके उसके अनुग्रह को हम पर बरसाने के लिए। हमारे हृदयों में यह विश्वास करना हमेशा ज़रूरी है कि हमारा परमेश्वर हमेशा के लिए जीवित है। चाहे जो भी रूकावटें, तूफ़ान, निंदा, दर्द और दुख का हमे इस संसार में सामना करना पड़े, हमे हमेशा याद रखना हैं कि हमारा परमेश्वर जीवित है। वह हमपर नज़र रखता है और केवल वही हमारे जीवन के सारे तूफ़ानों को शांत कर सकता है। यह हमारा "विश्वास और भरोसा" होना चाहिए। पवित्र शास्त्र में लिखा है **कुलुस्सियों १:१८ में – वही देह, अर्थात कलीसिया का सिर है। वही आदि और मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा है, जिससे कि सब बातों में उसी को प्रथम स्थान मिले।** परमेश्वर हमारे कलिसिया का सिर है, मृतकों में से पहिलौठा और वह हमपर हमेशा नज़र रखता है। **कुरिन्थियो १५:२० – पर अब मसीह तो मृतकों में से जिलाया गया है, और जो सोए हुए हैं उनमें वह पहला फल है।** आदम के समय से हमने देखा हैं कि बहुत–सी पीढ़ियाँ मर चुकीं हैं और बहुत–सी पीढ़ियों का जन्म भी हुआ है। लेकिन हमारे परमेश्वर का मृत्यु बहुत ही पवित्र मृत्यु था। हमारा प्रभु येशु मसीह हमारे लिए पैदा हुआ, वह हमारे लिए क्रूस पर मरा और वह तीसरे दिन जी उठा केवल हमारे लिए। केवल वही है जो मृतकों में से जी उठा है और सदा के लिए जीवित है। हाँ, हम पवित्र शास्त्रों में जानते हैं कि हमारा प्रभु मृतकों में से बहुतों को जीवित किया, लेकिन वें फिर से मर गए। परमेश्वर और उसके सेवक के द्वारा मृतकों में से बहुत–से जीवित हुए। उदा – नबी एलीशा ने मृतक शूनेमिन स्त्री के बेटे को जिलाया। **(२ राजा ४:८–३७)**, नबी एलिय्याह ने सारपत के विधवा के बेटे को जिलाया (१ राजा **१७:२१–२२**) आदि, बहुत से लोग हैं जो मृतकों में से जी उठे, लेकिन कुछ साल बाद वें फिर मर गए। याद रखें हमारा प्रभु परमेश्वर येशु मसीह ही केवल है जो मृतकों में से जी पहिलौठा है" जो मृतकों में से जी उठा और सदा के लिए जीवित है। इसलिए हमारा विश्वास परमेश्वर पर होना चाहिए, हमे विश्वास उसपर करना चाहिए कि वह जी उठा और सदा के लिए जीवित है। हाँ, जब वह फिर आएगा, हमे विश्वास रखना है कि वह हमे मृतकों में से जिलाएगा और उठाएगा, उन्हें जो उसपर विश्वास करते हैं। **१ कुरिन्थियो १५:५५ –"हे मृत्यु, तेरी विजय कहां है? हे मृत्यु, तेरा डंक कहां?** हमे विश्वास करना हैं कि परमेश्वर ने मृत्यु पर जय पाया है। जब हम यह विश्वास करते हैं तब उसकी

आत्मा हमारे अंदर वास करता है, इस प्रकार हम भी मृतकों में से जी उठेंगे। हम **रोमियों ८:११** में पढ़ते हैं – **यदि उसका आत्मा जिसने येशु को मृतकों में से जीवित किया तुम में निवास करता है, तो वह जिसने मसीह येशु को मृतकों में से जीवित किया, तुम्हारी मरणहार देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में वास करता है, जीवित करेगा।** हम चाहे कैसी भी स्थिति में रहे, जब हमारा परमेश्वर फिर आएगा, वह हमे जी उठाने के योग्य है उस स्थिति से उसकी आत्मा हम में वास करता है। इस संसार में बहुत से राजाएं हैं। पौरनिक कालों में, भिन्न–भिन्न राजाएं भिन्न–भिन्न राज्यों पर राज करते थे। उदा – महाराष्ट्र का राजा केवल महाराष्ट्र पर राज करता, तामीलनाडू का राजा केवल तामीलनाडू पर राज करता परंतु महाराष्ट्र का राजा तामीलनाडू पर राज नहीं कर सकता और न कोई और देश पर। हर राजा का राज उसी के देश तक सीमित थी। लेकिन हमारा परमेश्वर राजाओं का राजा है, वह इस संसार का राजा है। इसलिए हमारा परमेश्वर जो मृतकों में से पहले जी उठा है उन्हे छुटकारा दे सकता है जो उसपर विश्वास करते हैं, जिन्हें उसपर भरोसा हैं। वह उनके दर्द और दुख पर बाम मल सकता है। हमारा परमेश्वर हमसे बेहद प्यार करता है। उसका प्यार निष्पक्ष, इस संसार के राजाओं के विपरित जो उनके न्याय में जो वें लोगों पर करते थे पक्षपात करते थे, हमारा परमेश्वर राजाओं का राजा जो स्वर्ग और पृथ्वी का रचईता है, एक निष्पक्ष परमेश्वर है और वह सारे मानव जाति पर इस संसार में एक समान प्यार करता है। राजा सुलैमान एक अलग सा राजा था – वह एक निष्पक्ष राजा था क्योंकि उसकी अगुवाई हमेशा परमेश्वर का आत्मा करता था उसके राज्य पर राज करने के लिए। दूसरे राजाओं से विपरीत जो उनके राज्यों के लोगों के बीच असमानता और पक्षपात दिखाते थे। इस संसार में सच्चाई नहीं है हम न्यायाधीशों को न्यायालय में देखते हैं, वें भी पक्षपाती हैं और न्याय भ्रष्टता के साथ करते हैं। इसलिए यह ज़रूरी है कि जब हमारा विश्वास और भरोसा हमारे प्रभु परमेश्वर पर हैं, वह हमारे हाथों को पकड़ेगा और हमारे जीवनों को उसके शुद्ध प्यार से अगुवाई करेगा। **प्रकाशितवाक्य १९:१६ – उसके वस्त्र और जांघ पर यह नाम लिखा है: "राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।** हमारा परमेश्वर राजाओं का राजा है और उसका न्याय हमेशा धार्मिकता है। प्रेरित पौलुस हमारे परमेश्वर के बारे में उच्च रीति से बातें करता है। **१ तीमुथियुस ६:१५ – जिसे वह उचित समय पर प्रकट करेगा – वह जो परमधन्य है और एकमात्र सम्राट, राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।** पौलुस परमेश्वर के नाम को और भी ऊँचा उठाता है और परमेश्वर के नाम की महिमा करता है यह कहते हुए कि वह राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु है। हमारा प्रभु येशु मसीह, परमेश्वर पिता क प्रिय पुत्र राजाओं का राजा, इस संसार में बहुत ही साधारण रीति से जन्मा, हमारे लिए। येशु के जन्म के बाद और उसकी सेवा इस संसार में आरंभ करने से पहले, जब वह परमेश्वर पिता से प्रार्थना कर रहा था, शत्रु उसके पास आता है और उसे लुभाने की कोशिश करता है। उसने प्रभु येशु मसीह को संसार की अभिलाषाओं को बताया। अगर येशु इन अभिलाषाओं में पड़ जाता तो यह ज़रूरी नहीं होता कि वह क्रूस पर बलिदान दें। दुष्ट उससे कहता है "मैं तुझे यह संसार दूँगा अगर तुम सिर्फ़ मेरे सामने झुकोगे। वह उससे यह भी कहता है तुझे क्रूस उठाने की कोई ज़रूरत नहीं और न ही मरने की, मैं तुझे यह संसार और उसकी महीमा दूँगा, लेकिन केवल तब, जब तुम मेरे सामने झुकोगे। हमारा प्रभु येशु मसीह केवल हमारे लिए उसके जीवन का बलिदान उस क्रूस पर दिया और हमे अनंतकालिक जीवन दिया। **भजन संहिता २:१–६ – जाति जाति के लोग क्यों हुल्लड़ मचाते हैं, और देश देश के लोग व्यर्थ बात क्यों गढ़ते हैं? यहोवा और उसके अभिषिक्त के**

विरूद्ध पृथ्वी के राजा उठ खड़े होकर, और शासक एक साथ मिलकर यह सम्मति करते हैं: आओ, हम उनकी ज़ंजीरों को तोड़ डालें और उनके बन्धनों को अपने ऊपर से उतार फेंकें।" वह जो स्वर्ग में विराजमान है, हँसता है, प्रभु उनको ठट्ठों में उड़ाता है। तब वह अपने क्रोध में उनसे बातें करता, और अपने प्रकोप में उन्हें भयभीत कर देता है: "मैं तो अपने राजा को अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्दी पर बैठा चुका हूं।" उस समय, अगर हमारा प्रभु परमेश्वर दुष्ट के छल में पड़ता तो वह हमे अपने पापों के बंदन में नहीं छुड़ा पाता। आज हम उसके नाम से कुछ भी नहीं कर पाते। २००० वर्ष पहले, परमेश्वर दुष्ट की योजना को जानता था और इस कारण उसने निर्णय किया कि क्रूस पर तुम्हारे और मेरे लिए मृत्यु सहे, हमारे पास आज भी उसके नाम से विजय है। इस संसार का राजा और इस संसार के लोग परमेश्वर के बच्चों के बारे में क्या सोचते हैं? वें वही दुष्ट योजना बनाते हैं जो उन्होंने येशु के खिलाफ़ २००० वर्ष पहले किया। वें दुष्ट योजनाओं को रचते हैं आज भी हमारे विरूद्ध। लेकिन परमेश्वर के क्रूस पर सही वेधनाओं के कारण आज हम दुष्ट के कार्यों, विचारों और योजनाओं के विरूद्ध लड़ सकते हैं और विजय पा सकते हैं। २००० वर्ष पहले, अगर येशु मसीह सोचता कि "मैं क्रूस के बोझ को क्यों उठाऊँ? मैं क्यों कष्ट झेलू? अगर वह अपने–आप को दुष्ट के हाथों में दिया होता तो आज परिस्थिति अलग होता। इस लिए जब तकलीफ़, निंदा, दुख उसके बच्चों पर इस संसार में आता है, हमारा परमेश्वर दुष्ट पर हँसता हैं क्योंकि दुष्ट योजनाएं तो सारे नष्ट करके हरा दिए गए थे उसी समय। परमेश्वर दुष्ट पर हँसता है और कहता है "तू मेरे बच्चों को कैसे छू सकता है, तू उनका क्या बिगाड़ सकता है, तू उनके जीवनों में कितनी रूकावटें ला सकता है, तू उन्हें कैसे नाष कर सकता है?" हमारा प्रभु जो पिता परमेश्वर के दाहिने ओर बैठा हुआ है उसके स्वर्गीय राज्य में, आज हँस रहा है दुष्ट की योजनाओं पर। क्यों? क्योंकि येशु मसीह ने दुष्ट को नकारा और उसके पिता के आज्ञा का पालन किया उस क्रूस तक भी और इस कारण उसने सारे मानव–जाति के लिए विजय प्राप्त किया। इस प्रकार हम इस संसार में विजय प्राप्त कर सकते हैं। हम प्रभु कि जो कोई भी सेवा करते हैं – जब दुष्ट हमारी ठट्ठा उड़ाता है, प्रभु उसपर हँसता हैं। वह जो स्वर्ग में विराजमान हैं हसेगा – प्रभु उनको ठट्ठों में उड़ाता है। जब दुष्ट कुछ भी करता है प्रभु के बच्चों को बंधन में डालने के लिए या प्रभु के बच्चों के जीवनों में रूकावटें लाने की कोशिष करता है, हमे याद रखना हैं कि परमेश्वर हमपर नज़र रखता है और शत्रु के योजना पर हँस रहा है। हमारा प्रभु दुष्ट को याद दिलाता "क्या तुम्हे याद नहीं कि २००० वर्ष पहले मैंने तुझे पराजित किया है? आज, यह वही विजय है जो मैंने मेरे पुत्र–पुत्रियों पर बरसाया है, जो मेरी सेवा कर रह हैं। तू तो हारा हुआ है और मेरे बच्चों का कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। तब वह अपने क्रोध में उनसे बातें करता, और अपने प्रकोप में उन्हें भयभीत कर देता है : हमारा प्रभु शांत नहीं रहेगा, वह उसका क्रोध और गुस्सा दुष्ट पर लाएगा और अपना भय उसपर ड़ालेगा। दुष्ट लोगों में शांति नहीं रहेगा वें भौंकते रहेंगे, वें और रूकावटें लाने कि कोशिष करेंगे, वें तिथर–बिथर भागेंगे उनके कार्यों को सफल करने के लिए। हमारा प्रभु उन्हे नाष नहीं करेगा लेकिन उन्हे गड़बड़ी और भय के स्थिति में डालेगा। बाबेल का मीनार के बनने के समय लोगों ने निर्णय किया कि एक मिनार बनाएंगे जो स्वर्ग तक पहुँचेगा, हम जानते है कि कैसे परमेश्वर ने गड़बड़ी किया उनके बीच में उनकी भाषा को बदलकर और उनकी योजनाओं जो उस बडी इमारत को बनाने में था उसको नष्ट किया। हमारा परमेश्वर का प्यार हमारे लिए इतना महान था

कि २००० वर्ष पहले उसने निर्णय लिया कि वह उसका जीवन क्रूस पर दे दे। उसके बलिदान के कारण आज येशु मसीह हमारे जीवन का कोने का पत्थर है। दुष्ट ने येशु को बहुत बार रोकने की कोशिष की ताकि वह अपना प्राण क्रूस पर न दे और केवल उसके सामने झुके, अगर येशु उसके सामने झुके तो वह उसे संसार आसानी से दे देता। उस समय दुष्ट जानता था कि अगर उसने हमारे जीवन के कोने का पत्थर को हराएगा, वह येशु मसीह को, तो उसे इस संसार में परमेश्वर के लोगों को नाष करना आसान होता। लेकिन येशु हमे इन सारी दुष्ट योजनाओं से छुड़ाना चाहता था, इसलिए उसने हमारे लिए क्रूस को उठाया। "मैं तो अपने राजा को अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्दी पर बैठा चुका हूं।" इसलिए आज हमारा प्रभु परमेश्वर ने उसके चुने हुए बच्चों को अभिषेक किया है भिन्न–भिन्न जगहों में ताकि दुष्ट के योजनाओं को जो उसके बच्चों पर हैं नाष करें। **प्रकाशितवाक्य १७:१४ – वे मेमने के साथ युद्ध करेंगे और मेमना उन पर विजयी होगा, क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु और राजाओं का राजा है; और जो उसके साथ हैं वे बुलाए हुए, चुने हुए आदि विश्वासी लोग हैं।** क्रूस पर येशु के बलिदान के कारण और दुष्ट को उसके हाथों हार जाने के कारण, आज हम बहुत–सी चीज़े प्रभु के लिए कर सकते हैं। हमारा परमेश्वर उसके जन्म से ही दीन था और इस संसार में तुम्हारे और मेरे लिए आया। यह ज़रूरी है कि हम दीन बने। हम पढ़ते हैं **फिलिप्पियों २:१०–११ – कि येशु के नाम पर प्रत्येक घुटना टिके, चाहे वह स्वर्ग में हो या पृथ्वी पर या पृथ्वी के नीचे, और परमेश्वर पिता की महिमा के लिए, प्रत्येक जीभ अंगीकार करे कि येशु मसीह ही प्रभु है।** हमे हमेशा स्मरण करना है परमेश्वर की दीनता को उसके जन्म और उसके मृत्यु से। इसलिए परमेश्वर पिता ने उसे महिमा भरा किया और येशु के नाम को सारे नामों से इस संसार में श्रेष्ठ बनाया। हमे हमारे प्रभु परमेश्वर पर पूरा विश्वास रखना है और स्मरण करना है उसके सारे बलिदानों को जो हमारे जीवन में है। कृतज्ञता से भरे हृदय के साथ हमे उसका धन्यवाद करना चाहिए। हमे उसका जन्म और क्रूस पर मृत्यु को कभी नहीं भूलना चाहिए, हम में से हर एक हमारे पापों में मर चुके होते। हमारे पापों से छुटकारा पाए बगैर और येशु के लहु के बगैर हम परमेश्वर के राज्य में कभी नहीं पहुँच सकते। यही है दुष्ट की अभिलाषा परमेश्वर के बच्चों के लिए – कि हम परमेश्वर के राज्य में नहीं पहुँचे। लकिन हमारे परमेश्वर ने पूर्ण दीनता से खोए हुए राज्य को पुनःस्थापित किया है हमारे लिए क्रूस पर उसके मृत्यु के द्वारा – मृतकों में से पहले जी उठा। वह हमारे साथ आज भी जीवित है। जब हम केवल इस "सच्च" का विश्वास करते हैं हम जीवन से आशिषित होंगे। विश्वासियों का क्या होता है? उन्होंने लाल समुद्र पार किया। लेकिन अविश्वासियों का क्या हुआ? वें लाल समुद्र में डूबकर मर गए। **इब्रानियों ११:२९ – विश्वास ही से वे लाल समुद्र में से ऐसे पार हो गए मानो सूखी भूमि पर चलकर गए हों, और जब मिस्रियों ने भी वैसा ही करना चाहा तो वे डूब मरे।** विश्वास के बगैर हम परमेश्वर से कुछ नहीं माँग सकते हैं या परमेश्वर से कुछ नहीं प्राप्त कर सकते हैं। यह केवल तब है जब हम उसपर विश्वास करते हैं कि हम लाल समुद्र पार कर सकते हैं। अगर हम में अविश्वास हैं हम लाल समुद्र में डूब जाएंगे। याद करो अधमी और अविश्वासी लोग लाल समुद्र को परमेश्वर के बच्चों जैसा पार करने लगे, लेकिन परमेश्वर के बच्चें सुरक्षित उस पार पहुँचे जब कि अधर्मी और अविश्वासी लोग वही समुद्र में नष्ट हो गए। अगर हम में परमेश्वर पर विश्वास और भरोसा नहीं है कोई दिन हम भी नाष हो जाएंगे। हमारे हृदयों में हमे हमेशा याद रखना है कि परमेश्वर ने कैसे हमारे

बारे में २००० वर्ष पहले विचार किया, कैसे उसका गहरा और निरुपाधिक प्यार से हमारे लिए जिस कारण उसने अपना प्राण क्रूस पर त्याग दिया। हाँ , अगर हमारा विश्वास मज़बूत है हम सच्चाई जानेंगे, कोई भी कार्य, कठीन कार्य नहीं, कुछ भी वस्तु हम में भय नहीं ला सकता है। याद है वह गीत "प्रभु का आनंद है मेरी ताकत" (द जॉय ऑफ द लोर्ड़ इस माय स्ट्रेंत)? परमेश्वर हमे सारे चुनौतियों का सामना करने के लिए जीवन में मज़बूत करेगा। इसलिए, "वचन" में विश्वास करना बहुत ज़रूरी है– यह तो तलवार है शत्रु से लड़ने के लिए। हम जानते हैं कि हमारी सेवा चुनौतियों का सामना जो दुष्ट से हैं, प्रतिदिन करती हैं। लेकिन हमारा विश्वास परमेश्वर पर ही है, क्योंकि हज़ारों वर्ष पहले वह जानता था कि हम ऐसे चुनौतियों का सामना करेंगे। वह हमारी रक्षा करेगा और दुष्ट के साथ आज भी हमारे लिए लड़ेगा। हमारा परमेश्वर दुष्ट लोगों के कार्यों पर और उनकी योजनाओं पर हँसता है। कलपना करें कि कितना और ज़्यादा हमे हमारे परमेश्वर से प्यार करना चाहिए। हमे तैयार होना है हमारे जीवनों को उसके कार्यों के लिए समर्पित करने के लिए। एक अच्छा विश्वासी बनने के लिए, हमे इस संसार में कई चीज़े खोना हैं। **इब्रानियों ११:३७ – उनका पथराव हुआ। आरे से चीर कर उनके दो टुकड़े कर दिए गए। उनकी परीक्षा की गई। तलवार के घाट उतारे गए। वे दरिद्रता, क्लेश और दुख भोगते हुए भेड़ और बकरियों की खाल पहिने इधर–उधर भटकते फिरे।** जो कई भी परमेश्वर पर विश्वास करते है और विजय प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें इस संसार में कई चीज़े को खोना होगा। लेकिन याद रखें हम इस संसार में सब कुछ खोना हैं अंत में उसके राज्य को प्राप्त करने के लिए जो उसने हम में से हर एक के लिए बनाया है। पवित्र शास्त्र अब्राहाम के बारे में **इब्रानियों ११:१०** में कहता है – **वह उस स्थिर नींव वाले नगर की प्रतिक्षा में था जिसका रचने और बनाने वाला परमेश्वर है।** जैसे अब्राहाम प्रभु पर रूका करता था उस शहर के लिए जो परमेश्वर उसके लिए बना रहा था। हमारे प्रभु ने पवित्र शास्त्र में वादा किया है कि "मैं तुम्हारे लिए घर तैयार करने जा रहा हूँ, मैं फिर आऊँगा और तुम्हें मेरे साथ ले जाऊँगा। इस तरह, उसके स्वर्गीय राज्य में पहुँचने के लिए हमे प्रभु पर रूकना हैं जैसे अब्राहाम करता था, अगर हम इब्रानियों ११ का पूरा अध्याय पढ़ते हैं, एक अध्याय महान विश्वास का, बहुत से लोग हैं जो परमेश्वर पर अपनी आशा और विश्वास रखते हैं, वें उन सबसे बहुत प्यार करता था। हमारा परमेश्वर का महान योजना जो २००० वर्ष पहले किया गया, हमे आज भी विजय दिलाता है। इस विश्वास के साथ हमारे हृदयों में, इस ;भरोसा के साथ हमारे हृदयों में हम लाल समुद्र ज़रूर पार कर पाएंगे, लेकिन अगरहम परमेश्वर के विरूद्ध कुड़कुड़ाएंगे, अगर हम में उसपर विश्वास नहीं है, अगर हम अपना जीवन अधर्मी रीति से जीते हैं और लाल समुद्र पार करने की कोशिश करते हैं, हम निश्चित रूप से डूबेंगे। इस लिए, यह ज़रूरी हैं कि हम अपना पूरा विश्वास और भरोसा परमेश्वर पर ड़ाले। उसके कान हमेशा हमारी पुकार पर लगी हैं, उसकी आँखें हम पर नज़र रखती हैं। वह हमारे लिए क्रूस पर मरा और मृतकों में से जी उठा। जब हम में यह बड़ा उत्साह पाते हैं, हम लाल समुद्र सफ़लता से पार कर सकते हैं और हमारे जीवनों में हमेशा विजयी होतें हैं। मैं प्रार्थना करती हूँ कि यह संदेश हमारे जीवनों में आशीष लाएं।

– पास्टर सरोजा म.